विद्यार्थियों को कराई जा रही जीवन मूल्यों की पहचान

आनंद सभा से सीएम राइस स्कूल हो रहे आनंदमय

सुदर्शन एक्सप्रेस
नगर संवाददाता

ग्वालियर। राज्य आनंद संस्थान आनंद विभाग द्वारा सीएम राइस उत्कृष्ट और मॉडल स्कूलों में इस शिक्षा सत्र से बच्चों में सार्वभौमिक मानव मूल्यों का विकास कर समाज के एक आदर्श नागरिक बनने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से प्रत्येक शनिवार को आनंद सभा का आयोजन किया जा रहा है।

जिला योग प्रभारी एवं आनंदम सहयोगी दिनेश चाकणकर ने बताया कि आनंद सभा का उद्देश्य है कि प्रत्येक व्यक्ति स्वयं आनंदित रहते हुए घर-परिवार, समाज, राष्ट्र और देश के लिए समाज उपयोगी नागरिक बनकर परिवार, समाज देशसेवा का पर्याय बने। इसके लिए कक्षा 9 से 12वीं के विद्यार्थियों को मूल्य शिक्षा की पहचान कराकर तृप्ति पूर्वक जीने के लिए आवश्यकता की पहचान करने का अभ्यास कराकर निरंतर तृप्तिपूर्वक जीने के लिए जीवन में जो आवश्यकता है उनकी पहचान कराई जा रही है। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा शिक्षकों के लिए मार्गदर्शिका तथा छात्रों के लिए पाठ्यपुस्तक और अभ्यास पुस्तिका तैयार कर जिले के सीएम राइस स्कूलों एवं जिला स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालय को उपलब्ध करा दी गई है। अप्रैल एवं मई माह में इन विद्यालयों के दो-दो शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। शिक्षा विभाग प्रत्येक शुक्रवार को शाम 6 बजे से 1.30 घंटे तक अगले शनिवार को बच्चों के साथ होने वाले संवाद पर व्यापक चर्चा कर शिक्षकों को लगातार अपडेट कर रहा है तथा शनिवार को इन विद्यालयों में आनंद सभा आयोजित की जा रही है।

सिखाया शिक्षा एवं कौशल में अंतर

जिला आनंदम दल के सदस्य केके बुटोलिया ने मॉडल स्कूल डीडी नगर में स्व अन्वेषण मूल्य शिक्षा की प्रक्रिया को समझाते हुए कहा कि आवश्यकता का निर्धारण हो जाने पर समृद्धि के लिए प्रयास अधिक आसान हो जाता है। क्या करना है यह शिक्षा है और कैसे करेंगे यह कौशल है। कैसे करेंगे उसके पहले यह तय हो जाना जरूरी है कि जीवन में करना क्या है। जीवन में जो भी करना है वह खुद, परिवार, समाज और प्रकृति अस्तित्व के परस्पर पूरकता में होने पर सुख का निर्धारण हो जाता है। जीवन में मूल्य को पहचानना जरूरी है और मूल्य शिक्षा से निरंतरता में सुख बना रह सकता है। वहीं आनंदम सहयोगी चाकणकर ने सीएम राइस विद्यालय, शासकीय कन्या उमादि तथा पटेल स्कूल में आनंद सभा के अवलोकन के दौरान छात्र एवं शिक्षकों को बताया कि प्रत्येक शनिवार को सार्वभौमिक मानवीय मूल्य पर चर्चा किया जाना जरूरी है। इस अवसर पर प्राचार्य जीतेंद्र सिंह भदौरिया, मनोरमा नायक, वरिष्ठ वैज्ञानिक बाला सुंदरम, डॉ. बिंदु सिंघल, यूएचवी प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षक आनद सिंह परिहार, श्याम शर्मा और रश्मि उपस्थित थे।